सोसायटियों पर प्रदर्शन, चक्काजाम, उपज की तुलाई न होने पर भड़के किसान

खास बातें

- किसानों ने सिरोंज-बासौदा रोड पर किया चक्काजाम
- किसानों ने जमकर की नारेबाजी, दोषी कर्मचारियों पर कार्रवाई नहीं होने से जताया आक्रोश
- किसानों के साथ खुलेआम लूट जैसी स्थिति

नवभारत न्यूज

सिरोंज 8 मई, सोसायटी में उपज की तुलाई ना होने पर किसान शुक्रवार को भड़क गए. इस दौरान नाराज किसानों ने सिरोंज बासौदा रोड पर दो जगह चक्काजाम कर दिया. किसानों ने सोसायटी में उपज की तत्काल तुलाई कराये जाने की मांग की. इकलौद सोसायटी के वेयरहाउस और परसौरा सोसायटी के वेयरहाउस दोनों पर किसानों ने तुलाई ना होने पर नाराजगी जताई. मामले की जानकारी मिलने पर अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर किसानों से चर्चा की. लेकिन किसान उनकी समस्याओं का समाधान कराने की मांग पर अड़े रहे. इसके बाद अधिकारियों से चर्चा एवं किसानों की समस्या के समाधान का आश्वासन मिलने के बाद मामला शांत हो सका.

जानकारी के अनुसार इकलौद सोसायटी के वेयरहाउस और परसौरा सोसायटी के वेयरहाउस में किसान उपज की तुलाई ना होने पर शुक्रवार को आक्रोशित हो गये. इस दौरान दोनों सोसायटियों के नाराज किसानों ने सिरोंज बासौदा रोड पर दो जगह चक्काजाम कर दिया. इस दौरान किसानों ने आरोप लगाया कि किसान काफी समय से अपनी उपज से भरी ट्रॉलियां लेकर खरीदी केंद्रों पर खड़े है. लेकिन बारदाना की कमी, एवं पर्याप्त श्रमिक ना होने से उनकी उपज की तुलाई नहीं हो पा रही है. वारदाना की कमी से शुक्रवार को भी उनकी उपज की तुलाई नहीं हो सकी. कई किसानों ने बताया कि उनका स्लॉट का अंतिम दिन है. ऐसे में यदि आज उनकी उपज की तुलाई नहीं होती है, तो उनको आर्थिक नुकसान एवं परेशानी का सामना करना पड़ेगा. जिसको लेकर किसान चिंतित हैं. किसान परेशान हो रहे हैं लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हो रही है. उन्होंने सोसायटियों पर जिम्मेदार अधिकारियों को तैनात किए जाने की भी मांग की. उन्होंने कहा कि किसानों की उपज से भरी ट्रालियां रोड पर खड़ी है. किसान कतार में खड़े रहकर उपज बेचने का इंतजार कर रहे हैं. प्रशासन को पर्याप्त बारदाने सहित श्रमिकों का इंतजाम करना चाहिए. जिससे किसानों को परेशानी का सामना न करना पड़े. सिरोंज बासौदा रोड पर चक्काजाम से इस मार्ग पर काफी देर तक यातायात प्रभावित हुआ. मामले की जानकारी मिलने पर अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर किसानों से चर्चा कर उनको समझाईश दी. इस दौरान किसानों ने अधिकारियों को समस्याओं से अवगत कराया तथा उनकी समस्याओं का तत्काल निराकरण कराने की मांग की. इस दौरान किसान उनकी समस्याओं का निराकरण न होने तक प्रदर्शन करने पर अड़े रहे. बाद में प्रशासन द्वारा खरीदी केंद्रों पर वारदाना की व्यवस्था कराई गई. तथा किसानों की मांगों का निराकरण किया गया. इसके बाद अधिकारियों से चर्चा के बाद मामला शांत हो सका. तहसीलदार संजय चौरसिया ने बताया कि इकलौद सोसायटी में अपनी मांगों को लेकर किसानों ने प्रदर्शन किया है. प्रशासन द्वारा वारदाना की व्यवस्था कराई जा रही है.

बासौदा में पचमा रोड पर किसानों का चक्का जाम सर्वेयरों पर सेवा शुल्क वसूली का आरोप

गंजबासौदा पचमा रोड पर शुक्रवार को किसानों ने चक्का जाम कर जोरदार प्रदर्शन किया. किसानों ने सर्वेयरों पर सेवा शुल्क के नाम पर अवैध वसूली करने का आरोप लगाया. आक्रोशित किसानों ने सड़क पर नारेबाजी करते हुए संबंधित विभाग के खिलाफ जमकर विरोध प्रदर्शन किया.किसानों का कहना था कि लंबे समय से शिकायतें किए जाने के बावजूद संबंधित विभाग द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है. किसानों ने आरोप लगाया कि आखिर ऐसी क्या वजह है कि दोषी कर्मचारियों को बचाया जा रहा है. प्रदर्शन कर रहे किसानों ने कहा कि किसानों के साथ खुलेआम लूटपाट जैसी स्थिति बनी हुई है और उनकी मजबूरी का फायदा उठाया जा रहा है.

चक्का जाम के चलते सड़क पर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं और यातायात प्रभावित रहा. किसानों ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषी कर्मचारियों और सर्वेयरों पर सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसानों का शोषण न हो सके.

हैदरगढ़ के उपार्जन केंद्र मीरा वेयरहाउस कोलुआ पर किसानों का चक्काजाम

नवभारत न्यूज

हैदरगढ़, कोलुआ धामनोद स्थित

मीरा वेयरहाउस उपार्जन केंद्र पर गेहूं की तुलाई नहीं होने से शुक्रवार को किसानों का गुस्सा फूट पड़ा. करीब 200 किसानों ने ट्रॉलियों के साथ तिगड्डा चौराहे पर दो से ढाई घंटे तक चक्का जाम कर दिया. किसानों का आरोप था कि 7 और 8 मई की स्लॉट बुकिंग होने के बावजूद उनकी उपज की तुलाई नहीं की जा रही थी, जबकि वे कई दिनों से ट्रॉलियां लेकर केंद्र पर खड़े थे.

किसानों ने बताया कि मीरा वेयरहाउस पूरी तरह भर चुका था, इसके बावजूद स्लॉट जारी किए गए, जिससे दूर-दराज के 30 से 40 गांवों के किसान परेशान हो गए. तुलाई नहीं होने और स्लॉट की तारीख निकलने के डर से किसानों ने सड़क पर ट्रॉलियां खड़ी कर चक्का जाम कर दिया. इससे मार्ग के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और आवागमन पूरी तरह प्रभावित हो गया. वेयरहाउस के आसपास भी ट्रॉलियों की लंबी लाइनें लग गईं.

सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार राजेंद्र सेन मौके पर पहुंचे और किसानों से चर्चा कर उन्हें समझाइश दी. प्रशासन द्वारा किसानों की समस्या को देखते हुए तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था की गई. अधिकारियों ने 7 और 8 मई के स्लॉट वाले किसानों की तुलाई धर्म कांटों पर कराने का निर्णय लिया, जबकि 9, 10, 11 और 12 मई के स्लॉट वाले किसानों को खिरिया जागीर स्थित वेयरहाउस पर तुलाई के लिए भेजा गया.प्रशासन की ओर से आश्वासन मिलने के बाद किसानों ने चक्का जाम समाप्त किया और यातायात बहाल हो सका. किसानों ने मांग की कि भविष्य में वेयरहाउस की क्षमता के अनुसार ही स्लॉट जारी किए जाएं, ताकि उन्हें इस तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े.

पठारी में श्री लीला वेयर हाउस के बाहर लगा लंबा जाम

- हम्मालों की हड़ताल से रुकी गेहूं तुलाई, किसानों में बढ़ा आक्रोश
- पुलिस और अधिकारियों की समझाइश के बाद खुला मार्ग

नवभारत न्यूज

पठारी,शहरवासा समिति के तुलाई केंद्र श्री लीला वेयरहाउस पर गेहूं की तुलाई बंद होने से किसानों का गुस्सा फूट पड़ा. नाराज किसानों ने पठारी मंडी-बामोरा मुख्य मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्रालियां खड़ी कर करीब एक घंटे तक चक्का जाम किया, जिससे मार्ग पर आवागमन प्रभावित हो गया.

जानकारी के अनुसार श्री लीला वेयरहाउस पर कुछ दिन पूर्व किसानों और हम्मालों के बीच विवाद हो गया था. विवाद के बाद हम्मालों ने केंद्र पर काम बंद कर दिया, जिसके चलते गेहूं की तुलाई पूरी तरह ठप हो गई. तुलाई बंद होने से बड़ी संख्या में किसान परेशान हो रहे हैं.किसानों का कहना था कि तुलाई की जिम्मेदारी समिति की है. यदि पुराने हम्माल काम पर नहीं आ रहे हैं तो समिति को अन्य हम्मालों की व्यवस्था करनी चाहिए ताकि किसानों की उपज की तुलाई समय पर हो सके.कुछ किसान अपने साथ मजदूर लेकर पहुंचे और अपनी ट्रालियों की तुलाई कराई. इसी बात को लेकर अन्य किसानों में नाराजगी बढ़ गई. किसानों ने मांग की कि जो मजदूर तुलाई कर रहे हैं, वे सभी किसानों की ट्रालियों की तुलाई करें. मजदूरों द्वारा मना किए जाने पर किसानों ने मुख्य मार्ग पर ट्रैक्टर-ट्रालियां खड़ी कर चक्का जाम कर दिया.चक्का जाम की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी गजेंद्र सिंह बुंदेला पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे. फूड विभाग की वैशाली दांगी भी मौके पर मौजूद रहीं. अधिकारियों ने किसानों और समिति कर्मचारियों से चर्चा कर समझाइश दी, जिसके बाद मामला शांत हुआ और मार्ग पर यातायात बहाल कराया गया.समिति प्रबंधक अरविंद शर्मा ने बताया कि हम्मालों की व्यवस्था की जा रही है. जहां से भी हम्माल उपलब्ध होंगे, उन्हें बुलाकर किसानों की तुलाई जल्द शुरू कराई जाएगी.

विद्यार्थियों को मिला कॅरियर निर्माण का मार्गदर्शन

नवभारत न्यूज

विदिशा, कलेक्टर अंशुल गुप्ता के मार्गदर्शन में जिले के विद्यार्थियों के भविष्य निर्माण एवं करियर मार्गदर्शन हेतु निरंतर ऑनलाइन करियर काउंसलिंग सत्र आयोजित किए जा रहे हैं. इन सत्रों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों के विशेषज्ञ शासकीय हाई स्कूल एवं हायर सेकेंडरी स्कूलों के विद्यार्थियों को करियर संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी एवं प्रेरणादायी मार्गदर्शन प्रदान कर रहे हैं.जिला शिक्षा अधिकारी एसपी जाटव ने बताया है कि आज आयोजित ऑनलाइन करियर काउंसलिंग सत्र में संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से चयनित होकर केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में असिस्टेंट कमांडेंट पद पर पदस्थ शांतनु भारद्वाज ने विद्यार्थियों को संबोधित किया है. उन्होंने रक्षा सेवाओं में करियर की संभावनाओं, विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं, चयन प्रक्रिया, अध्ययन रणनीति, समय प्रबंधन एवं अनुशासित तैयारी के महत्व पर विस्तार से जानकारी दी.

अपहरण, मारपीट के मामले में एक और आरोपी गिरफ्तार

नवभारत न्यूज

सिरोंज, सिरोंज पुलिस ने अपहरण, मारपीट के एक मामले में एक ओर आरोपी को गिरफ्तार किया है. उसके पूर्व गत दिवस मामले में पुलिस ने 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया था.

पुलिस सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार मामले में पुलिस ने एक अन्य आरोपी अंसार खा निवासी ग्राम लखार शमशाबाद को गिरफ़्तार किया और घटना में प्रयुक्त गाड़ी जप्त की. इसके पूर्व गत दिवस मामले में पुलिस 5 आरोपियों फैजान, जहीर, इमरान, साजिद एवं अनस को गिरफ्तार कर चुकी है. उल्लेखनीय है कि बीते दिनों जब फरियादी मलखान सिंह यादव अपने घर के बाहर खड़े थे. इसी दौरान ग्राम इमलानी की ओर से आ रही एक बाईक ने एक पशु को टक्कर मार दी. जिसके बाद मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों ने फरियादी के साथ विवाद करते हुए गाली-गलौज करने तथा विरोध करने पर फरियादी एवं उनके पुत्र के साथ झूमाझटकी करने की शिकायत की गई थी .साथ ही दोनों आरोपियों ने अपने अन्य साथियों को फोन कर मौके पर बुलाने पर दो कारों से अज्ञात व्यक्ति पहुंचे थे. आरोपियों ने ट्रैक्टर में तोड़फोड़ कर पत्थर फेंके तथा लाठी-डंडों एवं धारदार हथियारों से मारपीट की शिकायत की गई थी. इसके बाद फरियादी का अपहरण कर वाहन से अपने साथ ले जाने का भी आरोप था. इस मामले ने तूल पकड़ लिया था. मामले में पुलिस ने प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया. पुलिस ने मामले में गत दिवस 5 आरोपियों को गिरफ्तार किया था. वही अब मामले में एक ओर आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है.

विकास के वादे बनाम आदिवासियों का दर्द

खास बातें

- 79 साल बाद भी सड़क को तरसा खोंगरा गांव
- पीएम सड़क योजना स्वीकृत, नल-जल योजना के दावे भी अधूरे
- बारिश में टापू बन जाता है गांव, एक हैंडपंप के सहारे 500 परिवारों की जिंदगी

सौदानसिंह यादव
नवभारत न्यूज

गंजबासौदा 8 मई. देश आजादी के 79 साल पूरे होने का जश्न मना रहा है. मंचों से आदिवासी विकास की योजनाओं का गुणगान किया जा रहा है और आंकड़ों में तरक्की चमक रही है. लेकिन इन दावों की हकीकत देखनी हो तो कुरवाई विधानसभा क्षेत्र और गंजबासौदा जनपद की उदयपुर पंचायत के मजरा टोला खोंगरा पहुंचना होगा, जहां आज भी जिंदगी कच्चे रास्तों, अधूरी उम्मीदों और हर साल लौटती परेशानियों के बीच गुजर रही है.

करीब 500 आदिवासी परिवारों की यह बस्ती आज भी मूलभूत सुविधाओं के लिए संघर्ष कर रही है. वर्ष 2023 के विधानसभा चुनाव में ग्रामीणों ने सड़क की मांग को लेकर मतदान का बहिष्कार किया था. इसके बाद प्रशासन हरकत में आया और सड़क निर्माण का आश्वासन दिया गया, लेकिन आज तक काम शुरू नहीं हो सका. ग्रामीणों का आरोप है कि जनप्रतिनिधियों के लिए सहरिया आदिवासी केवल वोट बैंक बनकर रह गए हैं.

ग्रामीण हरिओम पाल ने बताया कि नाहरिया से खोंगरा तक करीब 3.5 किलोमीटर सड़क प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत लगभग 3 साल पहले स्वीकृत हुई थी और टेंडर प्रक्रिया भी पूरी हो चुकी थी. करीब 6 महीने पहले 3 करोड़ 7 लाख रुपए की लागत से सड़क निर्माण के लिए पुनः टेंडर स्वीकृत हुआ, लेकिन जमीन पर आज तक काम शुरू नहीं हुआ. ग्रामीणों का कहना है कि इसी वन क्षेत्र में पधार से खजूरी तक सड़क बन चुकी है और खजूरी से दैलवाड़ा तक निर्माण कार्य जारी है, लेकिन खोंगरा आज भी इंतजार कर रहा है.बरसात गांव के लिए सबसे बड़ी मुसीबत बन जाती है. बारिश होते ही पूरे इलाके में 4 से 5 फीट तक पानी भर जाता है और पूरा गांव टापू में बदल जाता है. कच्चे घरों में रहने वाले आदिवासी परिवार महीनों तक घरों में कैद रहने को मजबूर हो जाते हैं. बाहर निकलना तो दूर, सामान्य जीवन भी पूरी तरह ठप पड़ जाता है. ग्रामीणों का कहना है कि बारिश से पहले ही गांव में भय का माहौल बनने लगता है.गांव में श्मशान घाट पर टीनशेड तो बना दिया गया है, लेकिन वहां तक पहुंचने के लिए सड़क नहीं है. ऐसे में अंतिम संस्कार के लिए ग्रामीणों को कमर तक पानी में होकर गुजरना पड़ता है. कई बार हालात इतने खराब हुए कि खुले स्थानों पर ही दाह संस्कार करना पड़ा.

खोगरा के आदिवासी वर्षों से बुनियादी समस्याओं से परेशान

कुरवाई क्षेत्र के ग्राम खोगरा के आदिवासी ग्रामीण वर्षों से बुनियादी समस्याओं से जूझ रहे हैं, लेकिन उनकी शिकायतों पर प्रशासनिक स्तर पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया जा रहा है. ग्रामीणों का कहना है कि जनसुनवाई में उनकी समस्याएं सुनी तो जाती हैं, लेकिन समाधान की जगह केवल आश्वासन ही दिए जाते हैं.ग्रामीणों के अनुसार वे अपनी समस्याओं को लेकर लगातार शासकीय कार्यालयों के चक्कर काट रहे हैं. कभी कुरवाई तो कभी गंजबासौदा के कार्यालयों में पहुंचना पड़ता है, जिससे गरीब आदिवासी परेशान होकर घनचक्कर बन गए हैं. इसके बावजूद उनकी समस्याओं का स्थायी समाधान नहीं हो पा रहा है.ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि क्षेत्रीय विधायक हरि सिंह सप्रे ने आज तक गांव पहुंचकर वास्तविक स्थिति देखने की जरूरत नहीं समझी. गांव में मूलभूत सुविधाओं की कमी बनी हुई है और आदिवासी परिवार लंबे समय से परेशानियों का सामना कर रहे हैं.ग्रामीणों ने प्रशासन और जनप्रतिनिधियों से मांग की है कि गांव की समस्याओं का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया जाए और शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें.

एम्बुलेंस तक नहीं पहुंच पाती गांव, बीमारों को कंधों पर लाने को मजबूर ग्रामीण

सड़क नहीं होने का सबसे बड़ा असर स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ रहा है. एम्बुलेंस गांव तक नहीं पहुंच पाती. बीमार व्यक्ति को चारपाई या कंधे पर उठाकर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है. ग्रामीणों का कहना है कि समय पर इलाज नहीं मिलने से कई लोगों की जान जा चुकी है और सामान्य बीमारी भी यहां जानलेवा साबित हो जाती है.जहां सरकार हर घर नल-जल योजना की बात करती है, वहीं इस बस्ती में आज भी एकमात्र हैंडपंप ही 500 परिवारों की प्यास बुझाने का सहारा बना हुआ है. गर्मी में पानी के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है और बरसात में कीचड़ के बीच यही हैंडपंप जीवन रेखा बन जाता है.ग्रामीण टीकाराम आदिवासी, चन्नू, प्रवेश, शैतान, जितेंद्र, शिवचरण, भगवान सिंह और पवन सिंह ने बताया कि करीब 3 साल पहले नल-जल योजना के तहत गांव में बोर किया गया था. पाइप लाइन जमीन में बिछाने के बजाय ऊपर ही छोड़ दी गई और बाद में गायब हो गई. बोर में पर्याप्त पानी होने के बावजूद मोटर नहीं डाली गई, जिससे बोर भी खराब हो गया. गांव में बनाई गई तीन पानी की टंकियां आज भी अधूरी व्यवस्था की गवाही दे रही हैं.ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने जनसुनवाई सहित शासन-प्रशासन के हर स्तर पर लिखित और मौखिक शिकायतें कीं, लेकिन हर बार केवल आवेदन और आश्वासन ही मिले.

इनका कहना है

आदिवासियों की ओर से आवेदन मिला है. सड़क क्यों नहीं बन पा रही है इसकी जानकारी लेकर जल्द ही निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा.

— अनुभा जैन, एसडीएम गंजबासौदा

विदिशा की बिटिया को मिली केंद्रीय स्तर पर सामाजिक जिम्मेदारी

- सुजाता ताम्रकार को ताम्रकार समाज की केंद्रीय संचालन समिति में राष्ट्रीय सचिव की जिम्मेदारी

नवभारत न्यूज

विदिशा, शहर की बेटी श्रीमती सुजाता ताम्रकार को ताम्रकार समाज की केंद्रीय संचालन समिति में राष्ट्रीय सचिव की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है. उनकी नियुक्ति से समाजजनों और जिले में हर्ष का माहौल है. श्रीमती सुजाता ताम्रकार, जिला सहकारी बैंक के पूर्व अध्यक्ष बाबूलाल ताम्रकार की पुत्री हैं। साथ ही वे सहकारिता नेता सचिन ताम्रकार की बड़ी बहन भी हैं. सामाजिक कार्यों में उनकी सक्रिय भागीदारी और संगठनात्मक क्षमता को देखते हुए उन्हें यह दायित्व प्रदान किया गया है. समाज के वरिष्ठजनों ने विश्वास जताया है कि उनके नेतृत्व में समाज की गतिविधियों को नई दिशा मिलेगी तथा महिला सशक्तिकरण और सामाजिक एकजुटता को बढ़ावा मिलेगा. नियुक्ति की जानकारी मिलने पर समाजजनों, शुभचिंतकों और परिचितों ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं.

आयोजन संस्कृत भारती मध्यभारत प्रांत के प्रबोधन वर्ग का शुभारंभ, भीषण गर्मी के बीच 97 प्रतिभागी ले रहे संस्कृत और भारतीय संस्कृति का प्रशिक्षण

संस्कृत के वीर निकले संस्कृति की ज्योति जलाने

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा,एक ओर भीषण गर्मी लोगों को घरों में रुकने के लिए मजबूर कर रही है, वहीं दूसरी ओर भारतीय संस्कृति और संस्कृत भाषा के संरक्षण का संकल्प लेकर मध्यभारत प्रांत के विभिन्न जिलों से आए संस्कृत साधकों ने नगर में जुटकर यह संदेश दिया कि संस्कृत केवल भाषा नहीं, बल्कि भारत की आत्मा है. संस्कृत भारती मध्यभारत प्रांत के नौ दिवसीय प्रबोधन वर्ग का शुभारंभ लाल पठार स्थित सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेंडरी स्कूल में श्रद्धा, संस्कार और भारतीयता के वातावरण के बीच हुआ.

कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्कृत भारती मध्यभारत प्रांत अध्यक्ष डॉ. अशोक भदौरिया ने की. मुख्य अतिथि राजेश तिवारी रहे. अतिथि के रूप में महर्षि अभय कात्यायन

उपस्थित रहे, जबकि विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रसिद्ध कथावाचक सुश्री वैष्णवी गोस्वामी ने सहभागिता की.प्रांत संगठन मंत्री डॉ. जागेश्वर पटले ने कहा कि भारत की जड़ें संस्कृत एवं संस्कृति में निहित हैं. यदि जड़ों का सिंचन होगा तो पूरा राष्ट्र संस्कार, ज्ञान और चेतना से पुष्पित-पल्लवित होगा. उन्होंने कहा कि प्रत्येक भारतीय को अपने स्वर्णिम इतिहास, पूर्वजों, परंपराओं और भारतीय वाङ्मय की मूल धारा को जानना चाहिए.डॉ. पटले ने वेद, पुराण, उपनिषद, आरण्यक, रामायण और महाभारत सहित संस्कृत साहित्य की महान परंपरा का उल्लेख करते हुए कालिदास, भास, बाण और माघ जैसे महाकवियों के साहित्य को भारतीय ज्ञान परंपरा का गौरव बताया. उन्होंने कहा कि संस्कृत सीखना केवल भाषा सीखना नहीं, बल्कि भारत को उसकी आत्मा से जोड़ना है.मुख्य अतिथि राजेश तिवारी ने कहा कि यदि भारतीय संस्कृति को सुरक्षित रखना है तो संस्कृत को जन-जन तक पहुंचाना होगा. उन्होंने संस्कृत को भारतीय सभ्यता की आधारशिला बताते हुए युवाओं से इसे अपनाने का आह्वान किया.

विशिष्ट अतिथि वैष्णवी गोस्वामी ने कहा कि संस्कृत देववाणी है, वेदों की भाषा है और हमारी संस्कृति की संरक्षिका है. उन्होंने कहा कि संस्कृत बचेगी तो संस्कृति बचेगी, संस्कृति बचेगी तो भारत की पहचान सुरक्षित रहेगी. उनके उद्बोधन के दौरान पूरा सभागार भारतीय संस्कृति के भावों से ओतप्रोत दिखाई दिया.अध्यक्षीय उद्बोधन में डॉ. अशोक भदौरिया ने कहा कि भीषण गर्मी में घर छोड़कर आवासीय वर्ग में शामिल होना प्रतिभागियों की संस्कृत और संस्कृति के प्रति निष्ठा का प्रमाण है. उन्होंने कहा कि यह वर्ग केवल शिक्षण कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारतीयता के पुनर्जागरण का अभियान है.

14 जिलों से पहुंचे संस्कृत साधक

नगर में संस्कृत के उत्थान और संरक्षण के लिए पहली बार आयोजित हो रहे इस प्रबोधन वर्ग में मध्यभारत प्रांत के 14 जिलों, 22 विकासखंडों एवं 37 स्थानों से कुल 97 प्रतिभागी शामिल हुए हैं. 15 मई तक चलने वाले इस शिविर में 43 महिलाएं एवं 54 पुरुष सहभागिता कर रहे हैं.विदिशा, भोपाल, ग्वालियर, मुरैना, शिवपुरी, बैतूल, रायसेन, सीहोर, राजगढ़, हरदा, नर्मदापुरम, श्योपुर, गुना और दतिया सहित विभिन्न जिलों से पहुंचे प्रतिभागियों ने शिविर को व्यापक स्वरूप प्रदान किया है. वर्ग में 14 कार्यकर्ता व्यवस्थाओं की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं, जबकि संस्कृत भारती के 5 शिक्षक सरल एवं व्यवहारिक संस्कृत का प्रशिक्षण दे रहे हैं.

नेत्रों की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म, सद्गुरु विज़न सेंटर में विशाल नेत्र शिविर आयोजित

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, स्थानीय मिल रोड स्थित सद्गुरु विज़न सेंटर पर स्व. श्री नारायण सदाशिव पिंगले सेवा संस्थान के सहयोग से प्रति मंगलवार आयोजित होने वाले नेत्र शिविर के अंतर्गत विशाल नेत्र जांच शिविर लगाया गया. यह शिविर स्व. लक्ष्मण राव भांड एवं स्व. श्रीमती लीला देवी भांड की पुण्य स्मृति में सेवा दिवस के रूप में आयोजित किया गया.

शिविर में डॉ. राजकरण वर्मा एवं डॉ. दीपक सिंह ने 145 से अधिक मरीजों की नेत्र जांच की और नेत्र रोगों से बचाव के उपाय बताए. जांच के दौरान 19 से अधिक मरीजों में मोतियाबिंद के लक्षण पाए गए, जिन्हें ऑपरेशन के लिए आनंदपुर भेजा गया.कैंप प्रभारी जीतू पाठक एवं संतोष नामदेव ने मरीजों की बीपी और शुगर जांच की. वहीं काउंसलिंग का कार्य डाल सिंह जादौन ने किया. शिविर में मरीजों को निशुल्क दवाइयों का वितरण भी किया गया.कैंप प्रभारी जीतू पाठक के निर्देशन में काउंसलिंग टीम द्वारा 26 चश्मों का वितरण किया गया, जबकि 21 मरीजों के चश्मों के नंबर निकाले गए. ट्रस्ट के डाल सिंह जादौन ने 69 मरीजों को दवाइयों का वितरण किया.शिविर सहयोगी सुनील बाबू पिंगले ने बताया कि ट्रस्ट के रवि उपाध्याय के मार्गदर्शन एवं सद्गुरु स्व. श्री रणछोड़दास महाराज की कृपा से शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में निरंतर नेत्र शिविर आयोजित किए जा रहे हैं.कार्यक्रम में समाजसेवी एवं मानव अधिकार सुरक्षा एवं स्वास्थ्य संगठन के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी, गणेशराम रघुवंशी, डॉ. ए.के. जैन, डॉ. राजकरण वर्मा, जगदीश अग्रवाल, वरिष्ठ समाजसेवी रामकुमार शर्मा, सुरेंद्र भारद्वाज, हेमंत भंडारी, सेवादार साहूजी, पत्रकार संजीव शर्मा एवं रामकुमार शर्मा सहित कई गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.